दिनांक: 7 सितम्बर 2023

स्टंप-टेल्ड मकाक

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "स्टंप–टेल्ड मकाक" शामिल हैं। संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के पारिस्थितिकी अनुभाग में "स्टंप–टेल्ड मकाक" विषय की प्रासंगिकता है।

प्रीलिम्स के लिए:

- *स्टंप-टेल्ड मकाक की भौगोलिक सीमा?*
- *स्टंप-टेल्ड मकाक की आहार संबंधी आदतें?*
- *स्टंप-टेल्ड मकाक की भौतिक विशेषताएं?*
- *स्टंप-टेल्ड मकाक की संरक्षण स्थिति?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्ययन-03: पारिस्थितिकी*

सुर्खियों में क्यों:

- स्टंप-टेल्ड मकाक, जिसे भालू मकाक के रूप में भी जाना जाता है, एक उल्लेखनीय **प्राइमे**ट प्रजाति है जो दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया को घर कहती है। इस लेख में, हम इस पेचीदा प्रजाति के **विभि**न्न पहलुओं का पता लगाएंगे, इसकी भौगोलिक सीमा से लेकर इसकी आहार संबंधी आदतों और अद्वितीय **शारी**रिक विशेषताओं तक अलग हैं इसे **भालू मकाक** भी कहा जाता है।

भौगोलिक सीमा:

- **आवास:** स्टंप-पूंछ वाला मकाक **दक्षिण** एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के हरे-भरे जंगलों का मूल निवासी है।
- **भारतीय उपस्थिति:** भारत में, यह **प्रजाति** दक्षिण एशिया के सदाबहार जंगलों में पनपती है, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिण में स्थित पूर्वोत्तर भारत के **क्षेत्र** शामिल हैं।
- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के विवरण के अनुसार-
  - यह दक्षिण एशिया के सदाबहार जंगलों में पाए जाते हैं।

- भारत में यह मिजोरम, मणिपुर और नागालैंड के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं।

मुख्य बिन्दु-

- **फ्रुजिवोरस लाइफस्टाइल:** स्टंप-टेल्ड मकाक मुख्य रूप से एक फ्रुजिवोर है, जिसमें फल इसके आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा शामिल हैं।
- **विभिन्न वनस्पति:** फलों के अलावा, यह मकाक प्रजाति बीज, पत्तियों और जड़ों सहित वनस्पति की एक विस्तृत श्रृंखला का उपभोग करती है।
- **शिकार व्यवहार:** दिलचस्प बात यह है कि स्टंप-पूंछ वाला मकाक सर्वाहारी प्रवृत्तियों को भी प्रदर्शित करता है, जो अपने आहार के पूरक के लिए मीठे पानी के केकड़ों, मेंढकों, पक्षी के अंडे और कीड़ों का शिकार करता है।

शारीरिक विशेषताएं:

- **फर विशेषताएं:** इसमें घने, गहरे भूरे रंग के फर होते हैं जो इसके शरीर को कवर करते हैं। हालांकि, इसका चेहरा और इसकी विशेष रूप से छोटी पूंछ बालों से रहित है।
- **उम्र से संबंधित परिवर्तन:** शिशुओं के रूप में, ये मकाक एक सफेद कोट के साथ पैदा होते हैं जो धीरे-धीरे परिपक्व होने के साथ काला हो जाता है। उनके चमकीले गुलाबी या लाल चेहरे उम्र के साथ भूरे या लगभग काले रंग के रंगों में विकसित होते हैं, साथ ही उनके अधिकांश बालों का नुकसान होता है।
- **यौन द्विरूपता:** इस प्रजाति के नर अपनी महिला समकक्षों की तुलना में आकार में बड़े होते हैं।

संरक्षण की स्थिति:

- **कमजोर वर्गीकरण:** स्टंप-पूंछ वाले मकाक को वर्तमान में प्रजातियों की आईयूसीएन रेड लिस्ट में "कमजोर" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जो इस उल्लेखनीय प्राइमेट की रक्षा के लिए संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता को दर्शाता है।

स्रोत:
https://indianexpress.com/article/cities/delhi/meet-delhi-zoos-new-residents-eight-stump-tailed-macaques-8924291/

प्रारम्भिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01 स्टम्प-टेल्ड मकाक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. स्टंप-टेल्ड मकाक दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया का मूल निवासी है।
2. भारत में, यह प्रजाति दक्षिण भारत के जंगलों में पाई जा सकती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

प्रश्न-02 स्टम्प-टेल्ड मकाक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. स्टंप-टेल्ड मकाक को आईयूसीएन रेड लिस्ट में असुरक्षित के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
2. स्टंप-पूंछ वाला मकाक विशेष रूप से निशाचर है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 स्टंप-पूंछ वाले मकाक को वर्तमान में प्रजातियों की आईयूसीएन रेड लिस्ट में "कमजोर" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसके संरक्षण के उपायों की चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

ब्रिक्स के विस्तार के निहितार्थ

इस लेख में "दैनिक वर्तमान मामलों" और विषय विवरण "ब्रिक्स विस्तार और इसके निहितार्थ" शामिल हैं। संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के खंड "अंतर्राष्ट्रीय संबंध" में "ब्रिक्स विस्तार और इसके निहितार्थ" विषय की प्रासंगिकता है।

प्रीलिम्स के लिए:

- *ब्रिक्स क्या है?*
- *नए प्रवेशकर्ता कौन हैं?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

सामान्य अध्ययन -02: अंतर्राष्ट्रीय संबंध

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, ब्रिक्स देशों के समूह का **विस्तार** छह और देशों को शामिल करने के लिए किया गया है।

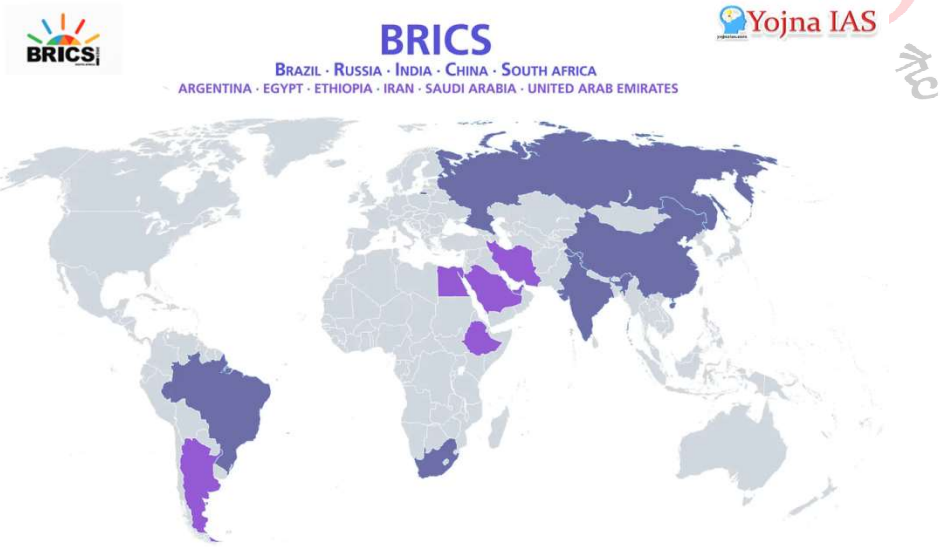

ब्रिक्स विस्तार

- जोहान्सबर्ग में 15 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन **में एक ऐतिहासिक निर्णय में,** ब्रिक्स के वर्तमान सदस्यों (**ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका**) ने छह नए देशों **को शामिल करने की घोषणा की: –**

1. अर्जेंटीना
2. इथियोपिया
3. मिस्र
4. ईरान
5. सऊदी अरब
6. संयुक्त अरब अमीरात

- 2010 में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के 13 साल बाद यह विस्तार, भू-राजनीतिक **परिदृश्य** में एक महत्वपूर्ण विकास का प्रतीक है।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि इन नए सदस्यों को जोड़ने से समूह की ताकत बढ़ेगी और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की अवधारणा का समर्थन होगा।

- इस विस्तार में आर्थिक प्रभाव, ऊर्जा क्षेत्र के प्रभाव, भू-रणनीतिक महत्व और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और वैश्विक राजनीति को फिर से आकार देने की प्रतिबद्धता सहित गहरा प्रभाव है।

ब्रिक्स विस्तार के निहितार्थ

वैश्विक आर्थिक प्रभाव:

- नए सदस्यों के जुड़ने के साथ, ब्रिक्स को दुनिया की 46% आबादी का प्रतिनिधित्व करने और पीपीपी के संदर्भ में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 37% योगदान देने का अनुमान है।
- यह पर्याप्त आर्थिक शक्ति ब्रिक्स को जी -7 से आगे रखती है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 30.7% है। यह बदलाव वैश्विक आर्थिक प्रभाव के पुनर्वितरण का प्रतीक है और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के प्रभुत्व को चुनौती देता है।
- ब्रिक्स सदस्यों की संयुक्त जीडीपी भविष्य में बढ़ेगी, जो पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के प्रभुत्व को और चुनौती देगी। इससे वैश्विक मंच पर आर्थिक शक्ति की गतिशीलता में बदलाव हो सकता है।

ऊर्जा क्षेत्र:

- विस्तार ऊर्जा क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा, क्योंकि नए सदस्य महत्वपूर्ण तेल और गैस उद्योग के खिलाड़ी हैं।
- पहले पांच ब्रिक्स सदस्य वैश्विक तेल उत्पादन का 20% हिस्सा लेते थे, जो अब बढ़कर 42% हो जाएगा।
- यह वैश्विक ऊर्जा बाजारों को नया रूप दे सकता है और ऊर्जा आपूर्ति और मांग की गतिशीलता को बदल सकता है।

भू-रणनीतिक महत्व:

- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान जैसे पश्चिम एशिया के देशों को शामिल करना, ब्रिक्स के लिए काफी भू-रणनीतिक मूल्य जोड़ता है।
- ये देश ऊर्जा क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी हैं और इनका भू-राजनीतिक महत्व है। उनकी भागीदारी मध्य पूर्व और उससे परे ब्रिक्स के प्रभाव को मजबूत कर सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में सुधार:

- ब्रिक्स सदस्यों ने संयुक्त राष्ट्र, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधारों की लगातार वकालत की है।
- विस्तारित ब्रिक्स इन सुधारों को लागू करने के लिए अधिक दबाव डाल सकता है, जिससे इन संस्थानों की संरचना और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में बदलाव हो सकता है।

साझा राजनीतिक लक्ष्य:

- ब्रिक्स सदस्य अक्सर वैश्विक राजनीतिक मुद्दों पर समान रुख साझा करते हैं। वे संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीयता को प्राथमिकता देते हैं, पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्षों को संबोधित करते हैं, और आतंकवाद विरोधी प्रयासों पर सहयोग करते हैं।
- विस्तार संभवतः इन पदों के साथ अधिक देशों को संरेखित करेगा, संभावित रूप से वैश्विक मामलों पर उनके प्रभाव को बढ़ाएगा।

बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था:

- ब्रिक्स पश्चिम के प्रभुत्व वाली एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए एक चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है। अपनी विविध सदस्यता के साथ, विस्तारित समूह एक बहुध्रुवीय दुनिया में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर देगा।
- इससे वैश्विक अभिनेताओं के बीच अधिक संतुलित शक्ति वितरण और प्रभाव हो सकता है।

आर्थिक सहयोग:

- ब्रिक्स अंतर-ब्रिक्स आर्थिक सहयोग और अन्य विकासशील देशों तक पहुंच पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहा है।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

- इससे सदस्य देशों के बीच नई व्यापार और निवेश साझेदारी और पहल विकसित हो सकती है, जिससे संभावित रूप से उनकी संबंधित अर्थव्यवस्थाओं को लाभ हो सकता है।

चुनौतियां और आलोचनाएं:

- **आंतरिक मतभेद और प्रतिस्पर्धा:** ब्रिक्स अपने सदस्यों के बीच आंतरिक मतभेदों और प्रतिस्पर्धा से जूझता है, जो अलग-अलग राष्ट्रीय हितों और आर्थिक प्राथमिकताओं से उपजा है।
- **स्पष्ट दृष्टि की कमी:** आलोचक अक्सर ब्रिक्स को "टॉक शॉप" कहते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संस्थागत सुधार के लिए सामान्य आह्वान से परे एक सुसंगत और ठोस दृष्टि की कमी है।
- **समन्वय चुनौतियां:** विभिन्न सदस्य देशों के बीच समन्वय नीतियां वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने और संयुक्त पहल को आगे बढ़ाने की ब्रिक्स की क्षमता में बाधा डाल सकती हैं।
- **पश्चिमी संदेहवाद:** पश्चिमी प्रभुत्व के प्रति संतुलन के रूप में ब्रिक्स के उद्भव ने पश्चिमी देशों से संदेह पैदा किया है, जो संभावित रूप से इसकी पहल और सुधारों के लिए समर्थन में बाधा डाल रहा है।
- **ठोस उपलब्धियों की आवश्यकता:** आलोचकों का तर्क है कि ब्रिक्स अपनी क्षमता से मेल खाने वाली ठोस उपलब्धियों को देने में विफल रहता है, अक्सर वैश्विक मामलों पर पर्याप्त प्रभाव के बिना संयुक्त घोषणाएं जारी करता है।

भारत के लिए भू-राजनीतिक निहितार्थ:

- ब्रिक्स पर भारत का दृष्टिकोण उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग और संवाद के लिए एक मंच के रूप में इस पर जोर देता है। यह ब्रिक्स को स्पष्ट रूप से पश्चिमी विरोधी ब्लॉक के रूप में स्थापित करने के बजाय आर्थिक सहयोग और राजनयिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के साधन के रूप में देखता है।
- ब्रिक्स का हालिया विस्तार संगठन के भीतर भारत के रुख को चुनौती देता है। भारत नए सदस्यों का स्वागत करने में संकोच कर सकता है जो ब्रिक्स के लिए चीन के दृष्टिकोण के साथ निकटता से मेल खाते हैं, जो संभावित रूप से इसकी भूमिका और प्रभाव को जटिल बनाते हैं।

इन चुनौतियों के बावजूद, भारत ब्रिक्स के साथ संबंध बनाए रखने के महत्व को समझता है। यह अपने वैश्विक आर्थिक हितों को आगे बढ़ाने और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी आवाज को सुनिश्चित करने के लिए एक मूल्यवान मंच बना हुआ है। ब्रिक्स के प्रति भारत के दृष्टिकोण के लिए समूह के लिए अपनी दृष्टि पर जोर देने और संगठन के भीतर विकसित गतिशीलता को नेविगेट करने के बीच एक नाजुक संतुलन की आवश्यकता है।

सूत्र:
ब्रिक्स के विस्तार के निहितार्थ

प्रश्न-01. BRICS के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. विस्तारित ब्रिक्स में दुनिया की आधी से अधिक आबादी के शामिल होने की उम्मीद है।
2. जी-20 की तुलना में ब्रिक्स का दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत बड़ा हिस्सा होने का अनुमान है।
3. ब्रिक्स में अब अंटार्कटिका को छोड़कर हर महाद्वीप का प्रतिनिधित्व है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 2
(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

प्रश्न-02. प्रचलित विश्व व्यवस्था के लिए ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) के हाल के विस्तार के निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। ब्रिक्स समूह के भीतर आने वाली चुनौतियों और अलग-अलग लक्ष्यों का विश्लेषण करें।

Rajiv Pandey